खतरनाक प्रसारः नोवेल कोरोना वायरस के प्रकोप पर

यह आलेख सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र-III
(विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी) से संबंधित है।

द हिन्दू

29 जनवरी, 2020

"डब्ल्यूएचओ अब और इंतजार नहीं कर सकता क्योंकि कोरोनो वायरस नए सिरे से फैलता जा रहा है।"

भारत अभी तक नए कोरोना वायरस से मुक्त है, लेकिन WHO के अनुसार इस वायरस का प्रकोप 18 देशों में फैल चुका है और अब तक 28 जनवरी तक 67 मामले दर्ज किए जा चुके हैं। मंगलवार को स्वास्थ्य मंत्रालय के एक ट्वीट के अनुसार, सोमवार तक पुणे स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी (एनआईवी) को भेजे गए सभी 20 नमूने नेगेटिव थे।

एनआईवी के अलावा, चार अन्य प्रयोगशालाओं को भी परीक्षण के लिए नमूने भेजे गये थे। चीन से यात्रियों की थर्मल स्क्रीनिंग अब सात से 20 हवाई अड्डों तक विस्तृत हो चुकी है और अब तक लगभग 33,000 यात्रियों की स्क्रीनिंग की जा चुकी है। नेपाल के एक मामले की रिपोर्ट के साथ स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि नेपाल के आस-पास के पाँच राज्यों में 'स्क्रीनिंग के लिए पर्याप्त तैयारी' मौजूद है। हालाँकि, यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि 2017 में जब मंत्रालय ने गुजरात में जीका वायरस के तीन मामलों का पता लगाया था तब उसने इसे छिपा कर रखा था और WHO के संज्ञान में आने के बाद इसका पता चला था। जिसके बाद सरकार ने यह बहाना बनाया था कि इसे गुप्त इसलिए रखा गया ताकि दहशत पैदा न हो।

चीन द्वारा इसी तरह के गैर जिम्मेदार व्यवहार के कारण गंभीर तीक्ष्ण श्वसन लक्षण (Severe acute respiratory syndrome] SARS) वायरस का प्रसार हुआ था, जिसके कारण 2000 के दशक की शुरुआत में विश्व स्तर पर 774 लोग मारे गये थे। भारत को किसी भी परिस्थिति में नए कोरोन वायरस के साथ इसे दोहराना नहीं चाहिए क्योंकि अभी तक इस वायरस के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है।

कोरोना वायरस?

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में चीन में नोवेल कोरोना वायरस (novel coronavirus) से मरने वालों की संख्या बढ़कर 106 हो गई है। इससे संबंधित निमोनिया के अब तक 4,515 मामले सामने आए हैं।
- विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने कहा है कि कोरोना वायरस के मामले में अभी अंतरराष्ट्रीय सार्वजनिक स्वास्थ्य आपात स्थिति की घोषणा नहीं की गयी है।
- विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) के अनुसार, यह वाइरस सी-फूड से जुड़ा है।

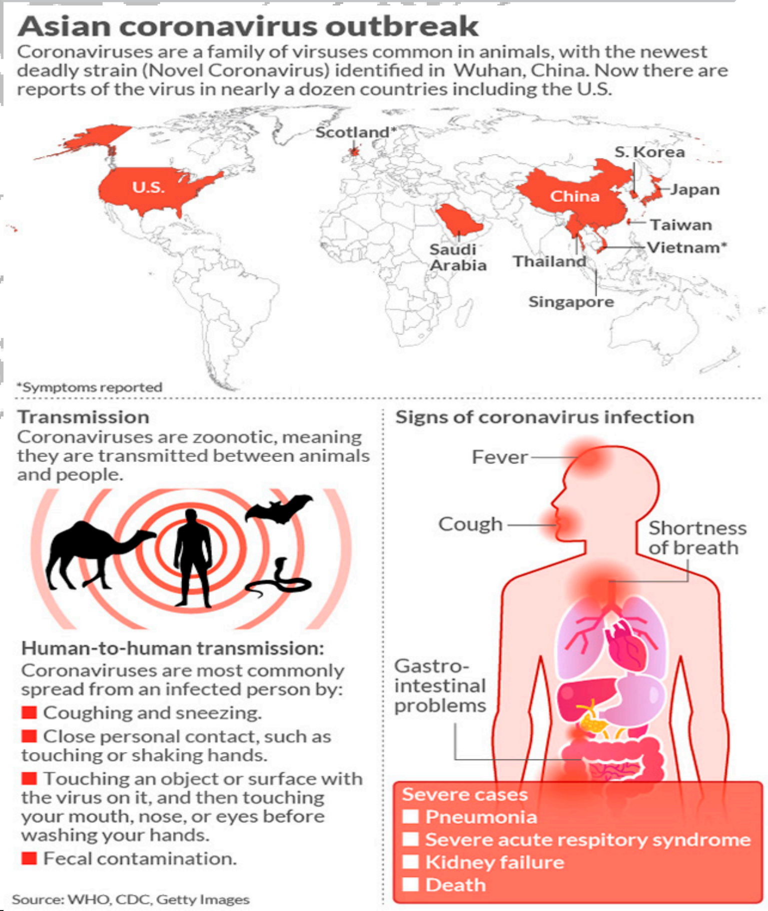

चीन के हुबेई प्रांत में लगभग 20 मिलियन लोगों को निगरानी में रखने के बावजूद वायरस नए तीव्रता के साथ फैलता हुआ प्रतीत हो रहा है। चीन की मुख्य भूमि से रिपोर्ट किए गए मामलों में तेजी से वृद्धि हुई है, जो 25 जनवरी को 1,975 से 26 जनवरी को 2,744 और 27 जनवरी को 4,515 तक था।

इस घातक वायरस से ग्रसित मामलों की संख्या अन्य कई देशों में भी बढ़ती जा रही है। मानव-से-मानव संचरण का पहला मामला वियतनाम के साथ-साथ जर्मनी में भी दर्ज किया गया है। वायरस ने मनुष्यों के बीच फैलने की क्षमता हासिल कर ली है। डब्ल्यूएचओ की आपातकालीन समिति की बैठक के बयान में कहा गया है कि चीन में चौथी पीढ़ी के मामले और वुहान के बाहर दूसरी पीढ़ी के मामले दर्ज किए गए हैं। चीन में एक कथित मामले के अलावा, डब्ल्यूएचओ ने चीन के बाहर भी तीन अन्य ऐसे ही मामलों की सूचना दी है।

विदित हो कि डब्ल्यूएचओ ने पिछले हफ्ते वायरस के प्रकोप के मद्देनजर सिर्फ चीन के लिए हेल्थ इमरजेंसी का एलान किया था। हालाँकि, ऐसी स्थिति रही तो विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) जल्द ही इसे ग्लोबल हेल्थ इमरजेंसी घोषित कर देगा और फिर इस तरह की घोषणा होने पर कोरोना वायरस के प्रकोप से निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय प्रयास तेज कर दिए जाएंगे।

क्या है?

- कोरोना वायरस (CoV) निडो वायरस के परिवार से है जो सामान्य सर्दी से लेकर गंभीर बीमारियों जैसे मिडिल ईस्ट रेस्पिरेटरी सिंड्रोम (MERS-CoV) और गंभीर एक्यूट रेस्पिरेटरी सिंड्रोम (SARS-CoV) का कारण बनता है।
- कोरोना वायरस जूनोटिक (zoonotic) है, जिसका अर्थ है कि यह जानवरों और लोगों के बीच संचारित होता है।
- इस वायरस को स्पाइकी (Spiky) इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप में देखने पर सौर कोरोना जैसा दिखता है। इसे 2019-CoV नाम दिया गया है।
- मानवीय कोरोना वायरस के प्रकार है- 229E, NL63, OC43 और HKU1, MERS-CoV, SARS-CoV, जो आम तौर पर एक सामान्य सर्दी की तरह हल्के से मध्यम श्वसन तंत्र की बीमारी का कारण बनते हैं।
- मानवीय कोरोना वायरस अधिकांशतः किसी संक्रमित मनुष्य से दूसरे मनुष्य में निम्नलिखित माध्यमों से संचरित होता है, जैसे- खाँसी और छींक, निकट सम्पर्क जैसे स्पर्श या हाथ मिलाना, वायरस युक्त वस्तु अथवा सतह को छूना एवं हाथ धोये बिना अपना मुँह, नाक और आँखों को छूना।

गंभीर तीव्र श्वसन सिंड्रोम (Severe Acute Respiratory Syndrome-SARS)

- यह मनुष्यों में वायरल श्वसन रोग है, जो कि सार्स कोरोना वाइरस (सार्स-कोव) के कारण होता है। यह गंभीर निमोनिया का प्राणघातक प्रकार है।
- सार्स, वर्ष 2002 में दक्षिणी चीन के गुआंग्डोंग प्रांत में उत्पन्न हुआ था। यह संक्रमण तेजी से अन्य देशों में (महामारी) फैल गया था।
- अंततः इस रोग को नियंत्रण में लेने से पहले 8,000 से अधिक मामलें पाए गए एवं 774 मौतें हुई थी।

संभावित प्रश्न (प्रारंभिक परीक्षा)

प्र. हाल ही में, 'कोरोना वायरस' चर्चा में बना हुआ है। इसके संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. कोरोना वायरस मध्य पूर्व रेस्पिरेटरी सिंड्रोम (MERS-CoV) और गंभीर एक्यूट रेस्पिरेटरी सिंड्रोम (SARS-CoV) का कारण बनता है।
2. कोरोना वायरस का संक्रमण केवल संक्रमित जानवरों और दूषित भोज्य पदार्थों के माध्यम से होता है।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों (d) इनमें से कोई नहीं

Expected Questions (Prelims Exams)

1. Recently, the Coronavirus has been in the news. Consider the following statements in this context.

1. Coronavirus causes Middle East Respiratory Syndrome (MERS-CoV) and Severe Acute Respiratory Syndrome (SARS-CoV).
2. Coronavirus infection is caused only through infected animals and contaminated foods.

Which of the above statements is/are correct?

(a) Only 1 (b) Only 2

(c) Both 1 and 2 (d) None of these

नोट : 28 जनवरी को दिए गए प्रारंभिक परीक्षा (संभावित प्रश्न) का उत्तर 1 (a) होगा।

संभावित प्रश्न (मुख्य परीक्षा)

प्रश्न: 'कोरोना वायरस के प्रसार को लेकर चीन का गैर-जिम्मेदार व्यवहार ने एक क्षेत्रीय संकट को वैश्विक संकट का रूप दे दिया है।' इस कथन के आलोक में कोरोना वायरस के चीन में प्रसार के कारण तथा उत्पन्न खतरे का विश्लेषण कीजिए। (250 शब्द)

'China's irresponsible treatment of the spread of the coronavirus has turned a regional crisis into a global crisis. In the light of this statement, analyze the cause of spred coronavirus and menace originated in China. (250 words)

नोट :- अभ्यास के लिए दिया गया मुख्य परीक्षा का प्रश्न आगामी UPSC मुख्य परीक्षा को ध्यान में रख कर बनाया गया है। अतः इस प्रश्न का उत्तर लिखने के लिए आप इस आलेख के साथ-साथ इस टॉपिक से संबंधित अन्य स्रोतों का भी सहयोग ले सकते हैं।

Committed